



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 468]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 17, 2001/भाद्र 26, 1923

No. 468]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 17, 2001/BHADRA 26, 1923

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 2001

सा.का.नि. 675(अ).—केंद्रीय मोटरयान नियम, 1989 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का प्रारूप, मोटरयान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 212 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार, भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 552(अ), तारीख 25-7-2001 के साथ भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) तारीख 25 जुलाई, 2001 में प्रकाशित किया गया था जिसमें उन सभी व्यक्तियों से, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, उस तारीख से, जिसको भारत के उस राजपत्र की प्रतियां, जिसमें उक्त अधिसूचना प्रकाशित की गई थी, जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, तीस दिन की अवधि के भीतर आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे;

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 26 जुलाई, 2001 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं;

और केंद्रीय सरकार ने उक्त प्रारूप नियमों के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर विचार कर लिया है;

अतः अब, केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 110 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय मोटरयान नियम, 1989 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम केंद्रीय मोटरयान (छठा संशोधन) नियम, 2001 है।

2. केंद्रीय मोटरयान नियम, 1989 में :—

(क) नियम 124 के उपनियम (1) में निम्नलिखित परन्तुक अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु केंद्रीय मोटरयान (छठा संशोधन) नियम, 2001 के प्रारंभ से इस उपनियम के अधीन जारी की गई कोई अधिसूचना ऐसे प्रारंभ के पश्चात्, 31 मार्च, 2002 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, किसी संनिर्माण उपस्कर की बाबत लागू नहीं होगी”

(ख) नियम 126ख के उपनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु इस उपनियम के उपबंध किसी संनिर्माण उपस्कर की बाबत 31 मार्च, 2002 तक और जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, लागू नहीं होगी”।

[फा. सं. आर टी-11041/8/2001-एम वी एल]

आलोक रावत, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS**NOTIFICATION**

New Delhi, the 17th September, 2001

G.S.R. 675(E).—Whereas the draft of certain Rules further to amend the Central Motor Vehicles Rules, 1989 were published as required by sub-section (1) of section 212 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988) with the notification of Government of India in the Ministry of Road Transport and Highways, No. G.S.R. 552(E) dated 25-7-2001, in the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 25th July, 2001 inviting objections from all persons likely to be affected thereby within a period of 30 days from the date on which copies of the Gazette of India, in which the said notification was published, were made available to the public;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 26th July, 2001,

And, whereas objections or suggestions received from the public in the said draft rules have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 110 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Motor Vehicles Rules, 1989, namely :—

1. These Rules may be called the Central Motor Vehicles (6th Amendment) Rules, 2001.
2. In the Central Motor Vehicles Rules, 1989 :—
 - (a) in rule 124, in sub-rule (1), the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided that any notification issued under this sub-rule before the commencement of the Central Motor Vehicles (6th Amendment) Rules, 2001, shall not be applicable after such commencement upto and including 31st March, 2002 in respect of any construction equipment;”
 - (b) in rule 126B, after sub-rule (2), the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided that the provisions of this sub-rule shall not be applicable in respect of any construction equipment upto and including 31st March, 2002 ”

[F. No. RT-11041/8/2001-MVL]

ALOK RAWAT, Jt. Secy.